विद्या परिषद की बैठक
दि० 22-2-2017 द्वारा
अनुमोदित

डिप्लोमा पाठ्यक्रम
व्यावहारिक वास्तु विज्ञान

पूर्णांक १००

प्रथम प्रश्नपत्र

इकाई प्रथम -

वास्तुशास्त्र का इतिहास एवं परिचय -

वास्तुशास्त्र एवं उसका स्वरूप

सूर्य परिभ्रमण से जलवायु परिस्थितियों में परिवर्तन।

इकाई द्वितीय -

वास्तुशास्त्र -

वास्तुशास्त्र का लक्ष्य

वास्तुशास्त्र का प्रतिपाद्य

वास्तुशास्त्र शक्तियों का उपयोग।

इकाई तृतीय -

वास्तु एवं उसके भेद-

आवासीय वास्तु

व्यावसायिक वास्तु

व्यापारिक

औद्योगिक

धार्मिक वास्तु

इकाई चतुर्थ -

कणिका विचार-

भूमेलापक विचार-

इकाई पंचम -

भूमि एवं भूखण्ड विचार -

भूमि की गुणवत्ता

प्रशस्त भूमि

भूमि की ढलान

भूमि परिक्षण

आसपास का वातावरण

भूखण्ड की आकृति का अध्ययन

भूखण्ड का विस्तार

भूखण्ड पर वेध विचार

भूखण्डों की श्रेणीयां

भूखण्डों का पिडानयन

**इकाई षष्टम् -**

आवासीय वास्तु का निर्माण

आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण

आज के संदर्भ में भवन निर्माण की समीक्षा

द्वार विचार

खिड़की /झरोखा / बरामदा

कुऑ , बोरिग , भूमिगत टंकी

सेप्टिक टैक

भवन की उचाई

वास्तु सम्मत एवं वास्तु विरूद्ध नक्शे।

**इकाई सप्तम -**

वास्तु पुरूष की उत्पत्ति

दिशा ज्ञान

भूमि परीक्षण

खनन विधि

शल्य ज्ञान

**इकाई अष्टम -**

गृह समीप शुभाशुभ वृक्ष-वनस्पतियां।

वास्तु चक्र एवं लग्न शुद्धि गृहप्रवेश मुहूर्त विचार।

जल स्थान निर्धारण

द्वार निर्णय

गृहारम्भ काल निर्णय

**इकाई नवम -**

वास्तु पुरूष मंडल

वास्तु देवता बलिकर्म विधान

वास्तु शांति प्रकार

**इकाई दशम -**

दिशानुसार गृह विन्यास

गर्भविन्यास

गृहोपयोगी काष्ठ

**प्रायोगिक** - गृह मानचित्र निमार्ण।

**अनुशंसित पुस्तकें :-**

०१. विश्वकर्म प्रकाश - टीकाकार,गणेशदत्त पाठक - श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार वाराणसी

०२. वास्तु रत्नाकर - टीकाकार,विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी- चौखम्बा संस्कृत सिरिज वाराणसी

०३. वृहत्संहिता - टीकाकार,पं.अच्युतानन्द झा - चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

०४. समरांगण सूत्रधार (वास्तुशास्त्रीयभाग प्रथम) महरचंद लक्ष्मणदास टीकाकार-कमलकान्त शुक्ल - दिल्ली

०५. वास्तसौख्यम् - टीकाकार - कमलकान्त शुक्ल - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी

०६. बृहद ज्योतिष सार संग्रह

डिप्लोमा पाठ्यक्रम
व्यावहारिक वास्तु विज्ञान

द्वितीय प्रश्नपत्र पूर्णांक १००

इकाई प्रथम -

वास्तु-

उपादेयता

आवासीय भवनों के प्रकार

इकाई द्वितीय -

भवनों के वास्तु के आधार पर प्रारूप ( मैप )

इकाई तृतीय-

वास्तु दोष के विविध आयाम

परिहार

इकाई चतुर्थ -

व्यावसायिक भवनों के प्रकार

शुभाशुभ वास्तु विचार

प्रतीक कैंद्रित गृह सज्जा

इकाई पंचम -

गृहवेध

परिहार

मुख्य द्वारा निर्धारण

इकाई षष्ठ -

द्वार वेध

परिहार

मुख्य द्वार निर्धारण

इकाई सप्तम -

वास्तु में रंगो का महत्व

इकाई अष्टम -

प्रतीक केन्द्रित गृसज्जा (यथा स्वास्तिक)

इकाईनवम-

गृह योजना विचारणीय विषय -

आकार

क्षेत्रफल

जल स्त्रोत

पाठशाला

शयनकक्ष

देवालय

बैठक कक्ष

स्नानगृह -शौचालय आदि विचार

**इकाई दशम - प्रायोगिक -**

गूगल द्वारा मान चित्र परक दिशा निर्देश ।

**अनुशंसित पुस्तकें :-**

| | | |
|---|---|---|
| ०१. विश्वकर्म प्रकाश | - टीकाकार,गणेशदत्त पाठक - | श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार,वाराणसी |
| ०२. वास्तु रत्नाकर | - टीकाकार,विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी- | चौखम्बा संस्कृत सिरिज वाराणसी |
| ०३. वृहत्संहिता | - टीकाकार,पं.अव्युतानन्द झा - | चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी |
| ०४. समरा¼ण सूत्रधार | -(वास्तुशास्त्रीयभाग प्रथम) | महरचंद लक्ष्मणदास टीकाकार - कमलकान्त शुक्ल,दिल्ली |
| ०५. वास्तसौख्यम् | - टीकाकार - कमलकान्त शुक्ल - | सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी |

०६. मैप संबंधी ग्रन्थ .....